

पूर्व कुलपति के निधन पर दी श्रद्धांजलि



लखनऊ। लविवि के कुलपति रहे प्रो. केके कौल (86) का शनिवार को ब्रेन स्ट्रोक से निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे विवि में शोक लहर दौड़ गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने निधन पर दुःख जताते हुए मंथन हॉल में शोक सभा का आयोजन किया। यहां सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रो. कौल को श्रद्धांजलि दी। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गाश श्रैवास्व ने बताया कि प्रो. केके कौल का जन्म पाकिस्तान के लाहौर शहर में हुआ था। वह अपनी उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ लविवि आए थे, फिर वहीं के होकर रह गए। 1988 में उन्होंने लविवि में इंटर पद पर जोड़वा किया। इसके बाद 1997 में प्रोफेसर हुए और 1998 में उन्हें कुलपति पद की जिम्मेदारी दी गई। वह अपने पीछे पत्नी गायत्री कौल और पुत्री एंकी कौल को छोड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरे विवि की संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। (संवाद)

ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी पहुंचे लविवि

लखनऊ। ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी हबीबुल्लो मिर्जाजदा शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने लविवि की ऐतिहासिक इमारतों व अन्य स्थानों का भ्रमण किया। इसके साथ ही लविवि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे ताजिकिस्तान के छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से भी मुलाकात कर दोनों देशों के बीच शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। इस दौरान प्रो. आरपी सिंह व विद्यार्थी उपस्थित रहे। (संवाद)

ताजिकिस्तान दूतावास प्रभारी ने किया LU का दौरा



एनबीटी सं., लखनऊ: भारत में ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी हबीबुल्लो मिर्जाजदा ने शनिवार को एल्यू कैम्पस का दौरा किया। उन्होंने एलू में पढ़ रहे ताजिकिस्तान के स्टूडेंट्स से भी मुलाकात की। एल्यू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय से मुलाकात कर अकस्मिक संरक्षण की संभावनाओं पर चर्चा की। कुलपति ने मिर्जाजदा को लखनऊ विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी दी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल का निधन

जासं • लखनऊ : लखनऊ वह वर्ष 1961 में लवि से स्नातक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति की पदवी करने आए। परम्नातक व प्रो. केके कौल (87) का शुकवार देर रात ब्रेन स्टोक की वजह से निधन हो गया। पुणे के एक हस्पिटल में उन्होंने अंतिम सांस ली। शनिवार को विश्वविद्यालय के मंथन हाल में हुई शोक सभा में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने दो मिन्ट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि दी। लविवि कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव ने बताया कि प्रो. कौल का जन्म 29 जनवरी 1938 को कंपनी में मध्याह्नक के दौरान हुआ था।



बीटक व एमबीए के परीक्षा परिणाम जारी

जासं • लखनऊ : लवि ने शनिवार शाम को एम.बी.ए. और बी.टेक सम. सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम जारी कर दिए। एम.बी.ए. द्वितीय, बी.टेक सिविल इंजीनियरिंग, बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बी.टेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और बी.टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग छठे सेमेस्टर के परिणाम शामिल हैं।

पूर्व कुलपति केके कौल का निधन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल का वीती रात निधन हो गया। कुलपति कार्यालय के मंथन हाल में शोकसभा में वडी संख्या में शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, फिर दो मिन्ट का मौन रखकर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। स्व. प्रो. केके कौल का निधन 14 जून की रात को ब्रेन स्टोक से हो गया है। प्रो. कौल का जन्म 29 जनवरी 1938 को पाकिस्तान के लाहौर शहर में हुआ था, प्रो. कौल ने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से ग्रहण की थी। पीएचडी पूर्ण करने के पश्चात अक्टूबर 1971 में एक शोध सहायक के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय में शामिल हुए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, फिर दो मिन्ट का मौन रखकर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल का वीती रात निधन हो गया। कुलपति कार्यालय के मंथन हाल में शोकसभा में वडी संख्या में शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, फिर दो मिन्ट का मौन रखकर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। स्व. प्रो. केके कौल का निधन 14 जून की रात को ब्रेन स्टोक से हो गया है। प्रो. कौल का जन्म 29 जनवरी 1938 को पाकिस्तान के लाहौर शहर में हुआ था, प्रो. कौल ने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से ग्रहण की थी। पीएचडी पूर्ण करने के पश्चात अक्टूबर 1971 में एक शोध सहायक के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय में शामिल हुए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, फिर दो मिन्ट का मौन रखकर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

लविवि कर्मचारी परिषद की पहल को कुलपति ने सराहा

वरिष्ठ संवाददाता (vol) लखनऊ। राज्यपाल की पहल पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के संबंध में जारी संकल्प अभियान के समर्थन में लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद की पहल में शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने भी सहभागिता की और इसके सफल होने की शुभकामनाएं दी।

लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद इस संघर्ष में विश्वविद्यालय के सभी संकायों, विभागों और संस्थानों में जाकर कर्मचारियों एवं उनके परिवारों से इसमें शामिल होने की अपील करने के साथ ही अपनी जीवन शैली में योग को अपनाकर का संकल्प लिया रहा है। कर्मचारी परिषद के महामंत्री संजय शुक्ला ने इस

लखनऊ विश्वविद्यालय

पूर्व कुलपति केके कौल का निधन

एनबीटी सं., लखनऊ: एल्यू के पूर्व कुलपति और पाश्चात्य इतिहास के विद्वान प्रो. केके कौल का शुकवार देर रात ब्रेन स्टोक से निधन हो गया। उनके परिवार में अपने छोटे पत्नी डॉ. गायत्री कौल और पुत्री डॉ. एंकी कौल हैं। उनके निधन पर शनिवार को मंथन हाल में वीसी प्रो. आलोक कुमार राय समेत कई शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने दो मिन्ट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। वीसी ने बताया कि प्रो. केके कौल का जन्म 29 जनवरी 1938 को पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था। उन्होंने एल्यू से पछाई की और एल्यू के बाद अक्टूबर 1971 में लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के रूप में शैक्षणिक जीवन शुरू किया। एल्यू में ही प्रवक्ता के तौर पर सेवा देने के बाद नवंबर 1988 में वीसी के, फिर साल 1998 में प्रोफेसर पद पर रहते हुए एल्यू कुलपति बने।



एल्यू में पूर्व कुलपति केके कौल के निधन पर शनिवार को श्रद्धांजलि सभा हुई।

एल्यू के पूर्व कुलपति केके कौल का निधन

लखनऊ। एल्यू के पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल का निधन हो गया। सभी शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों ने दो मिन्ट मौन का रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। एल्यू में एल्यू विश्वविद्यालय के विद्वान प्रोफेसर और पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल का निधन शुकवार देर रात को ब्रेन स्टोक के कारण शुकवार को हो गया। वह अपने पीछे पत्नी डॉ. गायत्री कौल और पुत्री डॉ. एंकी कौल को छोड़ गए हैं। शनिवार को मंथन हॉल में कुलपति ने श्रद्धांजलि सभा रखी।

एल्यू कर्मचारी बना रहें योग अभियान को सफल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद ने शनिवार को विश्वविद्यालय के सभी संकायों, विभागों और संस्थानों में जाकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए अपील की। कर्मचारियों और उनके परिवारीजनों से अनुरोध किया कि बढ़चढ़ कर योग दिवस के मौके पर एल्यू में कार्यक्रम में हिस्सा लें। कर्मचारी परिषद के महामंत्री संजय शुक्ला ने गवर्नर आनंदीबेन पटेल की ओर से जारी संकल्प अभियान के प्रति अभार प्रकट किया।



Habibullo Mirzazada at LU

ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी ने किया लविवि का दौरा



पायलिन समाचार सेवा। लखनऊ

भारत में ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी हबीबुल्लो मिर्जाजदा ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी दी।

भ्रमण किया और लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे ताजिक छात्रों से मुलाकात की। विश्वविद्यालय में वडी संख्या में ताजिकिस्तान के छात्र हैं, जो विभिन्न संकायों में नामांकित हैं, और पुत्री से संयुक्तताओं पर चर्चा की।

हबीबुल्लो मिर्जाजदा ने ताजिकिस्तान के छात्रों को संबोधित करते हुए उनके उम्मीदों और लक्ष्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय में वडी संख्या में ताजिकिस्तान के छात्र हैं, जो विभिन्न संकायों में नामांकित हैं, और पुत्री से संयुक्तताओं पर चर्चा की।



लविवि में मौजूद ताजिकिस्तान दूतावास के प्रभारी व अन्य। अमृत विचार

ताजिकिस्तान दूतावास प्रभारी ने किया लविवि का दौरा

अमृत विचार, लखनऊ : भारत में ताजिकिस्तान दूतावास प्रभारी ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान लविवि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे ताजिक छात्रों से मुलाकात भी की लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ ने इस मुलाकात और भ्रमण का आयोजन किया। ताजिकिस्तान दूतावास प्रभारी हबीबुल्लो मिर्जाजदा ने ताजिकिस्तान के छात्रों से मिलकर उन्हें प्रोत्साहित किया। इसके बाद दूतावास प्रभारी और लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के बीच देर तक विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा भी हुई।

नहीं रहे एल्यू के पूर्व कुलपति प्रो केके कौल



स्मृतिशेष लखनऊ विश्वविद्यालय में हुई शोक सभा

लखनऊ, लोकसत्या। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. केके कौल (सेवानिवृत्त) के आकस्मिक निधन पर उनके प्रसंगों ने गहरा शोक जताया। कुलपति कार्यालय के मंथन हाल में शोक सभा में वडी संख्या में शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। दो मिन्ट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी आत्मा

की शांति के लिए प्रार्थना की गई। लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार की यह शोक प्रो. केके कौल (सेवानिवृत्त) प्रोफेसर, पाश्चात्य इतिहास एवं कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के आकस्मिक निधन पर आयोजित की गई है। प्रो. केके कौल का आकस्मिक निधन 14 जून की रात को ब्रेन स्टोक से हो गया। उनके परिवार में पत्नी डॉ. गायत्री कौल व बेटी डॉ. एंकी कौल हैं। सभी शिक्षकों ने प्रो. केके कौल के निधन पर गहरा शोक जताया, श्रद्धांजलि अर्पित की।

Wake-up call: Climate change, heatwaves and encroachment

Prof Dhruv Sen Singh

Climate change and global warming are among the greatest threats to planet earth. The rapidly changing sea and land surface temperatures have resulted in extreme weather conditions and climate change which have created stress on plants which form the basis of energy production and food chain.

**COMBATING SUMMER HEAT**

- Higher temperature in urban areas occur due to absorption, radiation & heat generation from built-up areas made of concrete & stone
- Cities should be well planned with proper water bodies, vegetation, soil cover and low concrete area
- Use of plaster and tiles on both sides of the road should be checked and afforestation encouraged
- Govt should work for better planned cities to combat the impact of climate change

tion, sufficient soil cover, low concrete area, normal lifestyle, and lower UV radiation. Solar radiation was absorbed by soil cover, and used by vegetation for photosynthesis and transpiration, and water bodies for evaporation. The increase in concrete area reflects heat and further adds to effective temperature. The present lifestyle is also an important factor. Our rooms, offices, and cars have air-conditioners with maximum temperature being around 25 degrees Celsius while the temperature outside is 40 degrees Celsius. Therefore, the variation is high and when we move out, the difference of 15 degrees Celsius is tough to adapt. Earlier, rooms and offices had the normal temperature of about 37 degrees Celsius (body temperature). When we moved outside, the variation was low, which we didn't feel much. Also, the hot air that ACs emit adds to heat. This year, the westeries and decrease in moisture are common which are responsible for heat. It has also been found that UV (ultra-violet) radiation is higher than normal, which is adding to the summer heat. The change in

Former VC, who had roots in Pak & heart in LU, passes away

TIMES NEWS NETWORK **Lucknow:** His roots were in Pakistan but his heart was all for the Lucknow University. It was his simplicity that won everyone's heart, be it a student or a gardener on the campus. Former LU vice-chancellor and a professor of western history, Prof KK Kaul (86), passed away in Pune following a brain stroke on Saturday. To pay respect to Prof Kaul, a condolence meeting was held at LU which was attended by teachers, officials and non-teaching staff. He is survived by his wife Dr Gayatri Kaul and daughter Dr Eki Kaul. Born on Jan 29, 1938, in Lahore (Pakistan), Prof Kaul received his higher education from LU. After completing PhD, he started his academic career as a research assistant in Oct 1971. After serving as a lecturer, he became a reader in Nov 1988 and then a professor. He served as the vice-chancellor in 1998. Even after taking over as the VC, he would come to the campus on a bicycle to take classes and perform his administrative duties. Former LU VC Prof Roop Rekha Verma, who took charge after Prof Kaul, said: "He was a very happy-go-lucky man and a true gentleman. He used to come to LU on a bicycle." Prof Kaul's student and a professor in western history department, Prof Archana Tewari, said, "Prof Kaul will always be remembered for his wonderful nature. He was very fond of cricket and used to encourage us to play. He was popular among students not only as a fantastic teacher but also as a man with a good dressing sense." "Prof Kaul was not just loved by students and his colleagues but also by non-teaching employees of the university. He was an avid reader, researcher and a dedicated teacher," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. During the condolence meeting, non-teaching employees Rakesh Yadav and Rinku Rai, who worked in LU during Prof Kaul's tenure, paid tribute to him.